उन्नीस

मसीह में-वास्तविकताएं

In-Christ Realities

नये नियम की समस्त पत्रियों में हम इस तरह के वाक्यांश पाते हैं जैसे ''मसीह में'' ''मसीह के साथ'' ''मसीह के द्वारा'' और ''उसमें।'' यह बार-बार एक ऐसे लाभ को प्रगट करता है जो विश्वासी होने के कारण हम में पाया जाता है जिसका कारण यीशु का हमारे लिये किया गया कार्य है। जब हम स्वयं को वैसे देखते हैं जैसा परमेश्वर हमें देखता है ''मसीह में '' तो यह हमारी उसी तरह से जीने में सहायता करता है जैसा परमेश्वर चाहता है कि हम जीयें। शिष्य-निर्माता सेवक अपने शिष्यों को यह सिखाना चाहेगा कि वे मसीह में कौन हैं, जिससे पूर्ण आत्मिक परिपक्वता में बढ़ने में उन्हें सहायता मिले।

सर्वप्रथम ''मसीह में'' होने का क्या अर्थ है?

जब हमारा नया जन्म होता है, तब हम मसीह में आत्मिक रूप से एक हो जाते हैं। आइये नये नियम की पत्रियों से कुछ नमूना पदों को देखें, जो इसकी पुष्टि करते हैं:

> वैसा ही हम जो बहुत हैं, *मसीह में* एक देह होकर आपस में एक दूसरे के अंग हैं (रोमि. 12:5, पर बल दिया गया है)।
>
> और जो प्रभु की संगति में रहता है, वह *उसके साथ* एक आत्मा हो जाता है (1 कुरि. 6:17, पर बल दिया गया है)।
>
> इसी प्रकार तुम सब मिलकर *मसीह की देह हो, और अलग अलग उसके अंग हो* (1 कुरि. 12:27, पर बल दिया गया है)।

हमें, जो कि प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास करते हैं स्वयं को उसके साथ जुड़ा

हुआ, उसकी देह के सदस्यों के रूप में और उसके साथ एक आत्मा के रूप में देखना चाहिए। वह हम में है और हम उस में हैं।

यहां एक पद है जो हमें उस लाभ के बारे में बताता है जो मसीह में होने के कारण हमारा है :

> परन्तु उसी की ओर से तुम *मसीह यीशु में* हो, जो परमेश्वर की ओर से हमारे लिये ज्ञान ठहरा अर्थात् धर्म, और पवित्रता और छुटकारा (1 कुरि. 1:30; पर बल दिया गया है)।

मसीह में हमें धर्मी (''निर्दोष'' घोषित किया गया है और अब वह करना है जो सही है), पवित्र (परमेश्वर के पवित्र प्रयोग हेतु अलग किये गए) बनाए जाने के साथ साथ छुड़ाया गया है (गुलामी से खरीदा गया)। कुछ क्षेत्रों में छुटकारा पाने के लिए *प्रतीक्षा* नहीं करनी है। बल्कि मसीह में होने के कारण वे सब आशीष अब हमारी हैं।

मसीह में हमारे पूर्व के पापों को क्षमा कर दिया गया है:

> उसी ने हमें अन्धकार के वश से छुड़ाकर अपने प्रिय पुत्र के राज्य में प्रवेश कराया। *जिस में* हमें छुटकारा अर्थात् *पापों की क्षमा* प्राप्त होती है (कुल. 1:13-14, पर बल दिया गया है)।

ध्यान दें कि यह पद यह भी बताता है कि अब अधिक समय तक शैतान अन्धकार के प्रभुत्व में नहीं हैं बल्कि अब ज्योति-यीशु के राज्य में हैं।

> सो यदि कोई *मसीह में* है तो वह नई सृष्टि है : पुरानी बातें बीत गई हैं; देखो, वे सब नई हो गईं (2 कुरि. 5:17, पर बल दिया गया है)।

परमेश्वर की स्तुति हो कि यदि आप मसीह के अनुयायी हैं तो आप एक ''नई सृष्टि'' हैं, जिस तरह से एक इल्ली तितली में परिवर्तित हो जाती है। आपकी आत्मा को एक नया स्वभाव दिया गया है। पहले आपकी आत्मा में शैतान का स्वार्थी स्वभाव पाया जाता था, लेकिन अब आपका पुराना जीवन ''बीत गया'' है।

मसीह में अधिक आशीषें

More Blessings in Christ

> क्योंकि तुम सब उस विश्वास करने के द्वारा जो *मसीह यीशु पर* है, परमेश्वर की सन्तान हो (गल. 3.26, पर बल दिया गया है)।

क्या यह जानना अद्‌भुत नहीं है कि हम वास्तव में परमेश्वर की अपनी सन्तान हैं, उसके आत्मा से जन्मे हुए? जब हम प्रार्थना में उसके पास आते हैं, तो

हम उसके पास न केवल हमारे परमेश्वर बल्कि हमारे एक पिता के रूप में पहुंचते हैं!

> क्योंकि हम उसके बनाए हुए हैं; और *मसीह यीशु में* उन भले कामों के लिए सृजे गए जिन्हें परमेश्वर ने पहले से हमारे करने के लिये तैयार किया (इफि. 21:10, पर बल दिया गया है)।

परमेश्वर ने न केवल हमें बनाया है, उसने हमें *मसीह में* भी बनाया है। इसके अतिरिक्त, परमेश्वर ने हममें से हर एक के पूरा करने के लिए एक सेवकाई को भी निर्धारित किया है, ''भले कार्यों.... को पहले से हमारे करने के लिये तैयार किया।'' हम में से प्रत्येक की एक व्यक्तिगत ईश्वरीय नियति है।

> जो पाप से अज्ञात था, उसी को उस ने हमारे लिये पाप ठहराया, कि हम *उस में* होकर परमेश्वर की धार्मिकता बन जाएं (2 कुरि. 5:21, पर बल दिया गया है)।

हमारे पास जो धार्मिकता है वह वास्तव में हमारे मसीह में होने के कारण परमेश्वर की स्वयं की धार्मिकता है। क्योंकि परमेश्वर हममें वास करता है और हमें अपने पवित्र आत्मा के द्वारा बदल देता है। हमारे भले कार्य वास्तव में हमारे द्वारा किये जाने वाले परमेश्वर के भले कार्य हैं।

> परन्तु इन सब बातों में हम *उसके द्वारा* जिसने हम से प्रेम किया है जयवन्त से भी बढ़कर हैं (रोमि. 8:37, पर बल दिया गया है)।

''इन सब बातों'' क्या है जिनके बारे में पौलुस ने लिखा? इस पद से आगे के पद प्रगट करते हैं कि ये विश्वासियों द्वारा अनुभव किये जाने वाले दुख व परीक्षाएं हैं। शहीद होने में भी हम विजेता हैं, यद्यपि संसार हमें पीड़ित समझता हो। हम पूरी तरह से मसीह के द्वारा विजेता है क्योंकि मरने पर, हम स्वर्ग जाते हैं।

> जो मुझे सामर्थ देता है *उस में* मैं सब कुछ कर सकता हू (फिलि. 4:13, पर बल दिया गया है)।

मसीह में, हमारे लिये कुछ भी असंभव नहीं है, क्योंकि परमेश्वर हमें योग्यता और शक्ति देता है। हम उस किसी भी कार्य को पूरा कर सकते हैं जो वह हमें देता है।

> मेरा परमेश्वर भी अपने उस धन के अनुसार जो महिमा सहित *मसीह यीशु में* है (फिलि. : 4:19, पर बल दिया गया है)।

यदि हम सबसे पहले परमेश्वर के राज्य भी खोज करें तो हम यह अपेक्षा कर सकते हैं कि परमेश्वर हमारी वास्तविक आवश्यकताओं को पूरा करेगा। प्रभु हमारा चरवाहा है, और वह अपनी भेड़ों की चिन्ता करता है!

जो परमेश्वर कहता है उससे सहमत होना
Agreeing With What God Says

दुर्भागयवश, हममें से कुछ उस पर विश्वास नहीं करते जो परमेश्वर का वचन हमारे बारे में कहता है, जिसका संकेत हमारे कथन से मिलता है जो उस के विरुद्ध है जो बाइबल कहती है। यह कहने के बजाय ''मसीह में होकर जो मुझे सामर्थ देता है मैं सब कुछ कर सकता हूं'' हम इस तरह से कहते हैं, ''मुझे नहीं लगता कि मैं इसे कर सकता हूं।''

इस प्रकार के कथनों को बाइबल ''बुरे विवरण'' कहती है क्योंकि जो परमेश्वर कहता है ये उससे सहमत नहीं होते (देखें गिन. 13:32)। तौभी, यदि हमारे मन परमेश्वर के वचन से भरे हैं, हम विश्वास से भरे होंगे, विश्वास करते हुए तथा वही कहते हुए जो पवित्रशास्त्र से मेल खाता है।

कुछ बाइबल संबंधी घोषणाएं
Some Biblical Declarations

हमें, यह विश्वास करना और कहना चाहिए कि हम वही हैं जो परमेश्वर कहता है कि हम हैं।

हमें यह विश्वास करना और कहना चाहिए कि हम वह कर सकते हैं जिसके लिए परमेश्वर कहता है कि हम कर सकते हैं।

हमें यह विश्वास करना और कहना चाहिए कि परमेश्वर वह है जो वह कहता है कि वह है।

हमें यह विश्वास करना और कहना चाहिए कि परमेश्वर वही करेगा जो वह कहता है कि वह करेगा।

यहां कुछ पवित्रशास्त्रीय कथन हैं जिनकी घोषणा सभी निर्भीकता के साथ कर सकते हैं। सभी ''मसीह में'' आवश्यक वास्तविकताएं नहीं हैं, परन्तु पवित्रशास्त्र के अनुसार सभी सत्य हैं।

मैं मसीह में छुड़ाया गया, पवित्र किया गया और धर्मी बनाया गया हूं (देखें 1कुरि. 1:30)।

मुझे अन्धकार के राज्य से निकालकर, परमेश्वर के पुत्र के राज्य-ज्योति के राज्य में लाया गया है (देखें कुलु. 1:13)।

मसीह में मेरे सभी पापों को क्षमा कर दिया गया है (देखें इफि. 1:7)।

मैं मसीह में एक नई सृष्टि हूं- मेरा पुराना जीवन बीत गया है (देखें 2 कुरि. 5:17)।

परमेश्वर ने मेरे करने के लिये पहले से ही भले कार्यों को तैयार किया है (देखें इफि. 2:10)।

मैं मसीह में परमेश्वर की धार्मिकता बन गया हूं (देखें 2 कुरि. 5:21)।

मैं मसीह में जिसने मुझसे प्रेम किया सभी चीज़ों में पूरी तरह से विजेता हूं (देखें रोमि. 8:37)।

मैं मसीह में होकर जो मुझे शक्ति देता है सब कुछ कर सकता हूं (देखें फिलि. 4:13)।

मेरा परमेश्वर अपने उस धन के अनुसार जो महिमा सहित मसीह यीशु में है मेरी हर एक घटी को पूरी करेगा (देखें फिलि. 4:19)।

मैं एक धर्मी जन होने के लिए बुलाया गया हूं (देखें 1 कुरि. 1:2)।

मैं परमेश्वर की सन्तान हूं (देखें यूह. 1:12, 1 यूह. 3:1-2)।

मेरी देह पवित्र आत्मा का मन्दिर है (देखें 1 कुरि. 6:19)।

मैं अब जीवित नहीं हूं, बल्कि मसीह अब मुझमें जीवित है (देखें गल. 2:20)।

मुझे शैतान के अधिकार से छुड़ाया गया है (देखें प्रेरित.26:18)।

परमेश्वर का प्रेम पवित्र आत्मा के द्वारा हमारे मन में डाला गया है (देखें रोमि. 5:5)।

वह जो मुझ में है वह उस से (शैतान) बढ़कर है जो इस संसार में है (देखें 1यूह. 4:4)।

मसीह में स्वर्गीय स्थानों में मुझे सब प्रकार की आत्मिक आशीषें मिली हैं (देखें इफि. 1:3)।

मैं मसीह के साथ स्वर्गीय स्थानों में, शैतान की सभी आत्मिक सेनाओं से ऊपर बैठाया गया हूं (देखें इफि. 2:4-6)।

क्योंकि मैं परमेश्वर से प्रेम करता हूं और उसकी इच्छा के अनुसार बुलाया गया हूं, इसी कारण वह मेरे लिए सभी चीज़ों में भलाई को उत्पन्न करता है (देखें रोमि. 8:28)।

यदि परमेश्वर मेरी ओर है, तो कौन मेरे विरोध में हो सकता है (देखें रोमि. 8:31)

मसीह के प्रेम से कोई भी चीज़ मुझे अलग नहीं कर सकती है (देखें रोमि. 8:35-39)।

क्योंकि मैं एक विश्वासी हूं इसलिए मेरे लिये सभी चीज़ें संभव हैं (देखें मर. 9:23)।

मैं परमेश्वर का एक याजक हूं (देखें प्रका. 1:6)।

क्योंकि मैं परमेश्वर की सन्तान हूं, इसी कारण परमेश्वर मुझे अपने आत्मा में लेकर चलता है (देखें रोमि. 8:14)।

प्रभु के पीछे चलने पर, मेरे जीवन का मार्ग प्रकाशमान होता जाएगा (देखें नीति. 4:18)।

परमेश्वर ने अपनी सेवा में प्रयोग किये जाने को मुझे विशेष वरदान दिये हैं (देखें 1 पत. 4:10-11)। मैं दुष्टात्माओं को निकाल सकता और बीमारों पर हाथ रखकर उन्हें ठीक कर सकता हूं (देखें मर. 16:17-18)।

परमेश्वर सदैव मसीह में होकर मुझे विजय में ले चलता है (देखें 2 कुरि. 2:14)।

मैं मसीह का एक राजदूत हूं (देखें 2 कुरि. 5:20)।

मेरे पास अनन्त जीवन है (देखें यूहन्ना 3:16)।

प्रत्येक चीज़ को प्रार्थना में मांगने पर मैं उसे प्राप्त कर लेने का विश्वास करता हूं (देखें मत्ती 21:22)।

यीशु के कोड़े खाने से, मैं चंगा हो गया हूं (देखें 1 पत. 2:24)।

मैं पृथ्वी का नमक और संसार की ज्योति हूं (देखें मत्ती 5:13-14)।

मैं परमेश्वर का एक वारिस और यीशु मसीह के साथ संगी वारिस हूं (देखें रोमि. 8:17)।

मैं एक चुना हुआ वंश, राजपदधारी याजकों का समाज, एक पवित्र देश और परमेश्वर की निज प्रजा हूं (देखें 1 पत. 2:9)।

मैं मसीह की देह का एक सदस्य हूं (देखें 1 कुरि. 12:27)।

यहोवा मेरा चरवाहा है, मुझे कुछ कमी न होगी (देखें भजन. 23:1)।

यहोवा मेरे जीवन का दृढ़ गढ़ है- मैं किस का भय खाऊं? (देखें भजन. 27:1)।

परमेश्वर मुझे दीर्घायु से तृप्त करेगा (देखें भजन. 91:16)।

मसीह ने हमारे रोगों को सह लिया तथा हमारे दुखों को उठा लिया (देखें यशा. 53:4-5)।

प्रभु मेरा सहायक है, इस कारण मैं न डरूंगा (देखें इब्रा. 13:6)।

मैंने अपनी सारी चिन्ता प्रभु पर डाल दी है क्योंकि उसे मेरी चिन्ता है (देखें 1पत. 5:7)।

मैं शैतान का सामना करता हूं और वह मेरे पास से भाग जाता है (देखें याकू. 4:7)।

मैं मसीह के लिए अपने जीवन को खोकर उसे पा लेता हूं (देखें मत्ती 16:25)।

मैं प्रभु का दास हूं (देखें 1 कुरि. 7:22)।

मेरे लिये जीना मसीह और मरना लाभ है (देखें फिलि. 1:21)।

मेरी नागरिकता स्वर्ग में है (देखें फिलि. 3:20)।

परमेश्वर ने जिस भले कार्य का आरम्भ मुझ में किया है वह उसे पूरा भी करेगा (देखें फिलि. 1:6)।

परमेश्वर ने अपनी सुइच्छा निमित्त मुझ में कार्य किया है (देखें फिलि. 2:13)।

यह सकारात्मक घोषणाओं का केवल एक छोटा सा नमूना है जिसका निर्माण हम परमेश्वर के वचन के आधार पर कर सकते हैं। इन घोषणाओं को उस समय तक कहना एक अच्छी आदत होगा जब तक कि उनके द्वारा की जानेवाली सच्चाइयों की पुष्टि हमारे हृदयों में गहराई से जड़ न पकड़ ले। और हमें अपने मुंह से निकलने वाले प्रत्येक शब्द की जांच यह निश्चित करने के लिए करनी चाहिए कि जो कुछ परमेश्वर ने कहा हम उसके विरुद्ध नहीं हैं।